भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 1396
28/07/2026 को उत्तर के लिए

पारंपरिक मत्स्यपालन

1396. डॉ. एम. पी. अब्दुस्समद समदानी:

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि यंत्रीकृत ट्रोलर बेड़े के क्षमता से अधिक उपयोग और अनियमित विस्तार से भारत के महाद्वीपीय शेल्फ के साथ तटीय बेंटिक पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचा है;

(ख) पारंपरिक मछुआरों की सुरक्षा के लिए यंत्रीकृत ट्रोलरों हेतु 5-नॉटिकल-मील के प्रतिबंध क्षेत्र को कड़ाई से लागू करने के लिए क्या ठोस कदम उठाए गए हैं; और

(ग) क्या केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान (सीएमएफआरआई) पारिस्थितिकी तंत्र के वास्तविक स्वास्थ्य का आकलन करने के लिए केवल लैंडिंग डेटा पर निर्भर रहने के बजाय समुद्र में व्यापक बेंटिक सर्वेक्षण आयोजित करेगा?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री
(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

क. ICAR-सेंट्रल मरीन फिशरीज़ रिसर्च इंस्टीट्यूट (ICAR-CMFRI) ने आकलन किया है कि 2021-2025 के दौरान फिश लैंडिंग में ट्रॉल-आधारित लैंडिंग संबंधी कोई स्पष्ट गिरावट नहीं देखी गई है। ICAR-CMFRI के मरीन फिश स्टॉक स्टेटस ऑफ़ इंडिया (2022) प्रकाशन के अनुसार, भारतीय जल का समुद्री मत्स्य स्टॉक अच्छी स्थिति में हैं, और भारतीय ईईजेड के विभिन्न क्षेत्रों में मूल्यांकन किए गए 135 मत्स्य स्टॉक में से 91.1% टिकाऊ(सस्टेनेबल) पाए गए।

ख. 'मात्स्यिकी' राज्य का विषय है, और बेसलाइन से 12 समुद्री मील तक क्षेत्रीय जल के भीतर मत्स्यन गतिविधियों के संचालन के लिए प्रत्येक तटीय राज्य का अपना 'मरीन फिशिंग रेगुलेशन एक्ट' (MFRA) है, जिसमें पारंपरिक और मशीनीकृत फिशिंग वेसल्स के लिए मत्स्यन क्षेत्रों का ज़ोनिंग, जाल आकार और गियर नियम, मौसमी मत्स्यन पर प्रतिबंध, फिश कैप्चर के लिए न्यूनतम कानूनी आकार सीमाएं, विनाशकारी मत्स्यन पद्धतियों जैसे पेयर/बुल ट्रॉलिंग और आर्टिफिशियल/LED लाइट के उपयोग पर प्रतिबंध और जुवेलाइन फिशिंग पर रोक शामिल है। मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (पीएमएमएसवाई) का कार्यान्वयन कर रहा है, जिसके तहत पारंपरिक मछुआरों की आजीविका के हितों की रक्षा के लिए कई गतिविधियां की जा रही हैं, जैसे कि समुद्री कछुओं को बचाने के लिए ट्रॉल नेट में 'टर्टल एक्सक्लूडर डिवाइस' (TEDs) लगाना, 'सी रैंचिंग' (समुद्र में मछलियों की आबादी बढ़ाना) और मछली की संख्या बढ़ाने के लिए तटीय इलाकों में आर्टिफिशियल रीफ (artificial reefs) की स्थापना। पीएमएमएसवाई डीप सी फिशिंग वेसल्स, खुले समुद्र में केज कल्चर और समुद्री कृषि के अधिग्रहण को भी बढ़ावा देता है, जिसमें सी वीड कृषि भी शामिल है ताकि मत्स्यन दबाव को तटीय इलाकों से दूर किया जा सके ।

ग. आईसीएआर-सीएमएफआरआई ने सूचित किया है कि वह सांख्यिकीय रूप से मान्य, FAO-अनुशंसित स्ट्रैटिफाइड मल्टीस्टेज रैंडम सैंपलिंग डिज़ाइन' का उपयोग करके समुद्री मात्स्यिकी और पारिस्थितिकी तंत्र की दीर्घकालिक निगरानी करता है। ICAR-CMFRI, मत्स्य स्टॉक की स्थिति का आकलन करने और पारिस्थितिकी तंत्र में बदलाव का अनुमान लगाने के लिए भारत की 11,000 किमी लंबी तटरेखा के साथ 1,300 से अधिक लैंडिंग केंद्रों से फिश लैंडिंग और मत्स्यन प्रयास पर उच्च गुणवत्ता वाले टाइम-सीरीज़ डेटा उत्पन्न करता है। इसके अलावा, संस्थान ने यह भी बताया कि वह समुद्री जैव विविधता, बेंथिक पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य, ट्रॉफिक इंटरैक्शन और बॉटम ट्रॉलिंग के प्रभावों पर राष्ट्रीय कार्यक्रमों का कार्यान्वयन करता है।

*****